आगम मनीषी मुनि दुलहराजजी द्वारा रूपान्तरित उपन्यास का लोकार्पण

एक विशिष्ट समारोह में मुनि जितेन्द्र कुमार ने आगम मनीषी मुनि दुल्हराज द्वारा गुजराती से हिन्दी अनुवाद उपन्यास 'वीर विक्रमादित्य' लोकार्पण हेतु आचार्य प्रवर को भेंट की। मुनि जितेन्द्र कुमार ने कहा यह उपन्यास मुनि दुल्हराजजी के महाप्रयाण से पूर्व ही आ चुका था और स्वयं मुनिश्री ने इस उपन्यास को देख लिया था परन्तु उपन्यास का विमोचन उनके सामने नहीं हो पाया। इस पर गुरुदेव ने फरमाया कि मुनि श्री दुलहराजजी स्वामी एक बहुश्रुत मुनि थे। उन्होंने आगम सम्पादन के साथ साहित्य की अनेक विधाओं में कार्य किया। उनकी यह कृति मेरे हाथों में है जो पाठकों को इतिहास का बोध करायेगी। मुनि जितेन्द्र मुनि श्री दुल्हराजजी के सान्निध्य में काफी रहे हैं, वे उनके द्वारा सम्पादित होने वाले कार्यों में अपना श्रम नियोजित किया है। अब उनके काम को और आगे बढाते रहें, मंगल–कामना।